150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

जागृति

वर्ष:63 अंक:5 मुम्बई अप्रैल 2019

वैश्विक मंच पर खादी

केबीआरआई, नई दिल्ली में आयोजित खादी बाटिक फैशन शो

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा तनीरा (टाटा समूह) और मारूति को खादी मार्क प्रमाणपत्र दिया गया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 63 अंक-5 मुंबई अप्रैल 2019

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

कलाकार
दिलीप पालकर

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: editorialkvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 19

केबीआरआई नई दिल्ली में आयोजित खादी बाटिक फैशन शो में.....

खादी मार्क पर राष्ट्रीय कार्यशाला और व्यावसायिक सम्मेलन.....

खादी हुई ग्लोबल.....

खादी हुई ग्लोबल : न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के 63वें सत्र की खादी पर कार्यक्रम संपन्न .....

पेरिस के ट्रानोई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में नए फैशन खादी परिधानों को लोकार्पण.....

सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में 'इंडिया शो' प्रदर्शनी.....

मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा धारावी में कुम्हारी प्रशिक्षण का दौरा.....

आयोग में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह पूर्वक मनाया गया.....

रेलवे से आयोग को 12.40 करोड़ रुपये का आपूर्ति ऑर्डर मिला.....

इग्नू से मिला आयोग को आपूर्ति ऑर्डर.....

कोट्टयम में खादी और ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी आयोजित.....

राष्ट्रीय खादी व्यापार सम्मेलन.....

कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित..

आयोग ने हिमाचल के सुदूर गांवों में 400 से अधिक नौकरियां सृजित की....

पीएमईजीपी के तहत बैंकर्स बैठक.....

पीएमईजीपी के तहत अभिसंस्करण और प्रशिक्षण कार्यक्रम.....

हनी मिशन के तहत बी-बॉक्सेस तथा टूल किटों का वितरण.....

एमबीई तहत 10 दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम.....

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के सफलता की कहानी.....20

फर्नीचर बाज़ार में एक पहचान दिलाता मेरा नक्काशी कार्य.....

प्रेस कवरेज .....21 से 24

खादी बाटिक फैशन शो

रितु बेरी के विशिष्ट स्थापित्य कला खादी परिधान और इंडोनेशियाई प्रमुख डिज़ाइनरों द्वारा बाटिक कृतियों को केबीआरआई नई दिल्ली में आयोजित खादी बाटिक फैशन शो में प्रदर्शित किया गया, यह कार्यक्रम महात्मा गांधी 150वीं जयंती वर्ष और भारत -इंडोनेशिया कूटनीतिक संबंध के 70 वर्ष का जश्न मनाने के अवसर पर आयोजित किया गया था।

खादी मार्क पर राष्ट्रीय कार्यशाला और व्यावसायिक सम्मेलन

खादी संस्थाओं, निर्यातकों, डिजाइनरों और निर्माणकर्ताओं को खादी मार्क-जो शुद्धता का प्रतीक है-के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से तथा इसके भावी व्यापार अवसरों के संबंध में विचार विमर्श करने हेतु उन्हें एक मंच पर एक साथ लाने के लिए बंगलौर में 1 मार्च, 2019 को राष्ट्रीय कार्यशाला और व्यापार सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा और वस्त्र समिति के सचिव श्री अजीत बी. चव्हाण ने यहां एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के पश्चात वस्त्र समिति, खादी संस्थाओं के निरीक्षण और नमूना परीक्षण के अलावा खादी मार्क लेबल और टैग का प्रबंधन करेगी। वस्त्र समिति के पास खादी मार्क का प्रबंधन करने के लिए विशेष कार्यालय होगा, जिससे खादी मार्क का प्रभावी प्रबंधन किया जा सकेगा जिसके परिणाम स्वरूप उपभोगताओं के मध्य विश्वास उत्पन्न होगा। इस कार्यक्रम के दौरान 2 एजेंसियों, एक टीएएनईआईआरए (टाटा समूह) और एक अन्य मारुति को क्रमशः खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सीकेएमसी के अध्यक्ष डॉ. गोटमारे द्वारा खादी मार्क प्रमाणपत्र दिया गया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने अपने प्रमुख सम्बोधन में कहा कि खादी मार्क पर राष्ट्रीय कार्यशाला में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने निजी क्षेत्र को सहयोग करने तथा प्रमाणिक और शुद्ध खादी को वैश्विक स्तर पर लाने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आयोग देश में डिज़ाइन हाउस स्थापित करने का इरादा रखता है।

आयोग की वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि आंचलिक स्तर पर भी इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन किया जाना चाहिए, उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन खादी मार्क को जनता के मध्य लोकप्रिय बनाने के लिए बहुत उपयोगी हैं। उन्होंने इसे और अधिक प्रभावी बनाने के प्रयास की आवश्यकता का जोर दिया।

सीकेएमसी के अध्यक्ष, डॉ. गोटमारे ने अपने संबोधन में खादी मार्क प्रदान करने, इसकी प्रक्रिया और अन्य चरणों में सीकेएमसी की भूमिका के संबंध में जानकारी दी ।

कर्नाटक खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यकारी

अधिकारी श्री करूर ने अपने सम्बोधन में राज्य बोर्ड की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि कर्नाटक राज्य में अप्रमाणिक खादी पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि सरकार को खादी के अनधिकृत बिक्री केन्द्रों को तुरंत बंद करने का प्रयास करना चाहिए, ताकि जनता प्रमाणिक और शुद्ध खादी उत्पाद प्राप्त कर सके।

उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (खादी) श्री जी. गुरुप्रसन्ना ने सभा को संबोधित करते हुए सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। स्वागत भाषण के पश्चात संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के. बारामतीकर ने सभा को विशेषरूप में संबोधित किया और उन्होंने बताया कि दक्षिणी क्षेत्र की खादी संस्थाओं के साथ विचार-विमर्श करने के लिए यह सही मंच है। इस कार्यक्रम का संचालन आयोग के निदेशक, केन्द्रीय प्रमाणपत्र समिति श्री गीत गोस्वामी द्वारा किया गया।

अन्सर्ट एण्ड यंग (ई.एण्ड वाई.), जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग को परामर्श प्रदान कर रहे हैं, ने इसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए खादी मार्क को विशेष /सुसंगत समर्थन प्रदान किया है। खादी मार्क वस्त्र समिति के सचिव श्री अजीत बी. चव्हाण ने खादी मार्क पर पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने भारत के बाहर वस्त्र समिति के कार्य के बारे में भी बताया कि वे केवीआईसी के साथ मिलकर खादी मार्क के लिए किस प्रकार कार्य करेंगे।

पूर्व में, मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर और गांधीजी के चित्र को माला पहनाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

दूसरे सत्र में, व्यापार सम्मेलन आयोजित किया गया। उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (खादी) श्री जी. गुरुप्रसन्ना ने सत्र की अध्यक्षता की और उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विपणन) श्री आई. जवाहर ने सत्र की सह-अध्यक्षता की। व्यापार सम्मेलन सत्र के दौरान जहां टीआईटीएएन कंपनी लि. बंगलुरु की बिजनेस मुख्य श्रीमती श्यामला रतनन ने कॉरपोरेट बैठक के बारे में चर्चा की।

गो-कॉप मुख्य प्रबन्ध निदेशक श्री शिव देवी रेड्डी ने खादी-व्यापार और इसकी संभावना हेतु ई-कॉमर्स पर अपनी प्रस्तुति दी।

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के पूर्व निदेशक श्री बी.बी.पॉल ने भारत के पर्यावरण सरंक्षण और स्थायी ग्रामीण रोजगार प्रदान करने में खादी के महत्व के संबंध में विस्तार से बताया। श्री पॉल ने प्रतिभागियों के साथ खादी मशीनरी को अधिक प्रभावी और उत्पादक बनाने के लिए अपने अनुभव भी साझा किए।

श्री गीत गोस्वामी, निदेशक (के.प्र.स.), खा.ग्रा.आ. ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन देकर कार्यक्रम का समापन किया । ▣▣

खादी हुई ग्लोबल

स्विटज़रलैंड में महात्मा गांधी का स्मरण:

बर्न, स्विटज़रलैंड में 28 फरवरी, 2019 को आयोजित 'रिमेंम्बरिंग महात्मा गांधी' कार्यक्रम में गांधीजी की आत्मकथा से भाषण, क्विज़, वक्तव्यों को पढ़कर बापू को याद किया गया और इस अवसर पर एक खादी प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।

खादी हुई ग्लोबल : न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के 63वें सत्र में खादी पर कार्यक्रम सम्पन्न

नई दिल्ली: यह अब आधिकारिक है! विश्व कांग्रेस में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को लागू करना - जहां उन्होंने खादी को भविष्य के लिए पर्यावरण के अनुकूल, शून्य-कार्बन, जैव-अपघट्य और जल-संरक्षण वाले वस्त्र के रूप में पेश किया, "खादी हुई ग्लोबल":'बदलाव के लिए 2030 के एजेंडे को प्राप्त करने हेतु ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना' कार्यक्रम का उद्घाटन 11 और 15 मार्च 2019 को संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में "कमीशन ऑन स्टेट्स ऑफ वूमेन" के 63 वें सत्र में किया गया। संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) के साथ परामर्श की स्थिति में, अखिल भारतीय महिला शिक्षा निधि संघ (AIWEFA) ने संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में इस कार्यक्रम को अपने हाथों में लिया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, जो 'खादी गोज़ ग्लोबल' अभियान को नेतृत्व कर रहे हैं, ने कहा कि खादी को हमेशा एक प्रेरणादायक वस्त्र के रूप में याद किया गया है जिसने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र में महात्मा गांधी की अगुवाई वाली विरासत को भारत के विशिष्ट वस्त्र (सिग्नेचर फैब्रिक) के रूप में प्रदर्शित करना हमारे लिए गर्व की बात होगी। यह न केवल महिला कारीगरों, डिजाइनरों, श्रमिकों और नागरिकों के सशक्तीकरण के लिए एक साहसिक प्रतीक के रूप में उभरेगा, बल्कि खादी के माध्यम से महिला कारीगरों के लिए परिवर्तनकारी नीतियां बनाने के लिए सतत विकास लक्ष्यों को भी पूरा करेगा। उन्होंने कहा, 'चूंकि खादी

पेरिस के ट्रानोई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में नए फैशन खादी परिधानों का लोकार्पण

खादी नए रूप और शैली में तैयार है और अब पेरिस के फैशन प्रेमियों और डिजाइनरों के लिए पेश की जा रही है। जीएसजीएस केंद्रम, नन्थीट्टुकुन्नम की ओर से खादी के लिए यह सबसे बड़ा अथम कदम है। प्रसिद्ध डिजाइनर सुश्री करिश्मा शाहनी खान ने पेरिस के ट्रानोई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में नए फैशन खादी वस्त्रों को लॉन्च किया। ट्रानोई दुनिया भर से 400 डिजाइनरों की भागीदारी के साथ सबसे विविध और सही मायने में अंतर्राष्ट्रीय फैशन व्यापार शो में से एक है। ट्रानोई किसी भी डिजाइन प्रतिभा के लिए प्रदर्शन करने के लिए सबसे अच्छा मंच है और करिश्मा शाहनी खान केरल से खादी को एक वैश्विक मंच पर ले जा रही हैं, जो हमारे लिए बहुत गर्व की बात है । गौरतलब है कि जीएसजीएस केंद्रम अगस्त 2018 की बाढ़ में बड़े पैमाने पर विनाश का सामना करने वाली खादी संस्थाओं में से एक है।

का एक अनुकूल स्वभाव है, इसलिए यह विदेशी निवेशकों का ध्यान आकर्षित करेगी और बाद में साधारण जनसमुदाय को वैश्विक बाजारों से जोड़ेगी।'

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि संयुक्त राष्ट्र का यह कार्यक्रम न केवल अवैतनिक देखभाल कार्य की स्वीकृति प्रदान करेगा, क्योंकि यह कार्यक्रम घर-आधारित आय सृजन प्रदान करता है, बल्कि यह महिलाओं की सामूहिक शक्ति का भी दोहन करेगा। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र में उद्यमशीलता को विकसित करेगा, इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय फैशन बाजारों में एक महत्वपूर्ण स्थिति बनायेगा।' उन्होंने बताया, 'यह खादी के सिरमौर में एक और वैश्विक उड़ान होगी क्योंकि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 15 अगस्त, 2018 को 50 देशों में और 2 अक्तूबर, 2018 को 10 देशों में सफलतापूर्वक प्रदर्शनियां आयोजित की थीं।'

इसी तरह के विचारों की पुष्टि करते हुए, एआईडब्लूइएफए (AIWEFA) की अध्यक्ष आशा चंद्रा ने कहा कि खादी गोज़ ग्लोबल-एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है। 'महात्मा गांधी के मार्गदर्शक प्रकाश पुंज और एक अथम बुनकर के साथ हमें रास्ता दिखाने के लिए, 'खादी गोज़ ग्लोबल' की कल्पना-एक सार्थक, सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और भौतिक रूप से स्थायी कारीगर उत्पादन को शामिल करने के लिए की

गई है, जो कुटीर उद्योग के माध्यम से ग्रामीण जीवन का निर्माण करती है।" परियोजना की स्थिरता और बड़े विकास लक्ष्यों में योगदान देने के लिए, भारत सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से परियोजना गतिविधियों को संरेखित करने के लिए यह एक सचेत प्रयास है और बाद में सतत विकास लक्ष्यों के प्रयोजनों के लिए इसे परियोजना कार्यों से जोड़ा गया है।

इस कार्यक्रम से अपेक्षित परिणामों को रेखांकित करते हुए, सुश्री चंद्रा ने आगे कहा कि खादी को पर्यावरण के अनुकूल उद्योग के रूप में मान्यता प्रदान करने के अलावा, यह महिलाओं की सामूहिक शक्ति को भी सक्षम बनायेगा और भारत को विकास के लिए अपने 2030 के एजेंडे को पूरा करने में मदद करेगा। कार्बन-मुक्त, गैर-पेट्रोलियम उत्पाद के रूप में दुनिया के कपड़ों के बीच अपनी जगह को चिह्नित करने के अलावा, खादी से महिलाओं और परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और उन्हें अच्छा काम मिलेगा। उन्होंने कहा, 'खादी खरीदने का मतलब है कि सबसे अधिक हाशिए पर रहने वाली गरीब महिलाओं की मदद करना, विभिन्न देशों की सरकारें और 193 देशों के गैर-सरकारी संगठन इस कार्यक्रम में भाग लेकर, निश्चित रूप से खादी के बारे में जागरूकता फैलाएंगे।'

यह बता दें कि 11 मार्च को – श्री सक्सेना ने संयुक्त राष्ट्र महासभा भवन में विकासशील देशों में 'महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए खादी कार्यक्रम की अनुकूल प्रकृति' पर व्याख्यान दिया; 15 मार्च को - वह अमेरिकी कन्वेंशन सेंटर में 'खादी के माध्यम से महिलाओं का सशक्तीकरण' पर अपना प्रतिनिधित्व देंगे। ▣▣

सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में 'इंडिया शो' प्रदर्शनी

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में 'इंडिया शो' प्रदर्शनी में भाग लिया। इस शो में पर्यावरण अनुकूल स्वदेशी खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को 10 इकाइयों द्वारा प्रदर्शित किया गया था, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों द्वारा बहुत पसंद किया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा धारावी में कुम्हारी कला प्रशिक्षण का दौरा

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने केवीआईसी के कर्मचारी आवास-खादी दर्शन, भांडुप, मुंबई का दौरा किया और परिसर में स्वच्छता और मधुमक्खी के बक्से का अवलोकन किया।

आयोग में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह पूर्वक मनाया गया

दिनांक 8 मार्च, 2019 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपने केंद्रीय कार्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही गर्मजोशी और उत्साह के साथ मनाया ।

मणि भवन, मुंबई की अध्यक्ष सुश्री उषा ठक्कर, एवं महाराष्ट्र उच्च न्यालय की अधिवक्ता सुश्री श्वेता आर अग्रवाल को इस कार्यक्रम में संबोधित करने के लिए विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

सुश्री उषा ठक्कर ने महिलाओं के अधिकारों और स्वतंत्रता पर गांधीजी के विचार एवं इसकी प्रासंगिकता को बताया। वहीं सुश्री श्वेता आर अग्रवाल ने विवाह, गुज़रा भत्ता, घरेलू हिंसा आदि पर महिलाओं के अधिकारों व हितों के लिए बनाए गए कानूनों पर अपने विचार व्यक्त किए।

इससे पहले आयोग की निदेशक और अध्यक्ष महिला सशक्तिकरण समिति सुश्री गीता वारियर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उप निदेशक, क्षमता निर्माण श्रीमती किरण उके ने कार्यक्रम का संचालन किया। बाद में, आयोग की निदेशक, प्रचार श्रीमती स्मिता नायर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर मुंबई और पुणे की महिला कारीगरों ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के परिसर में आयोजित एक छोटी प्रदर्शनी में अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। ▣▣

रेलवे से आयोग को 12.40 करोड़ रुपये का आपूर्ति ऑर्डर मिला

नई दिल्ली: रेल मंत्रालय द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) से लिनन की वस्तुओं की खरीद के लिए जारी निर्देशों के त्वरित जवाब में - जयपुर, इलाहाबाद और दिल्ली रेलवे क्षेत्रों ने केवीआईसी को लगभग 12.40 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया है ।

इस आपूर्ति ऑर्डर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि ये आदेश खादी डस्टर और हरे/लाल रंग के झंडे की आपूर्ति के लिए, उत्तर पश्चिम रेलवे (जयपुर), उत्तर मध्य रेलवे (इलाहाबाद) और उत्तर रेलवे (दिल्ली) सहित तीन रेलवे क्षेत्रों से आए थे। उन्होंने कहा, '5.00 करोड़ रुपये का एक और आपूर्ति ऑर्डर जल्द ही मिलने वाला है, जो एक सप्ताह के समय में होने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा, रेलवे के इस तरह के आपूर्ति आदेश निश्चित रूप से खादी कारीगरों की आजीविका पर एक विशेष प्रभाव डालेंगे और निश्चित रूप से इससे खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र में हजारों नए कारीगर जोड़कर और अधिक रोजगार पैदा होंगे।

श्री सक्सेना ने खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों और कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल को धन्यवाद देते हुए कहा कि रेल मंत्री के ऐसे संकेत , न केवल खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों से जुड़े कारीगरों को अधिक काम देंगे, बल्कि इससे केवीआईसी के लिए विभिन्न मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के साथ अधिक अभिसरण के लिए रास्ता भी प्रशस्त होगा। । उन्होंने कहा, 'रेलवे के इस तरह के आदेश निश्चित रूप से अधिक रोजगार पैदा करेंगे, और बाद में मौजूदा कारीगरों की आय में भी वृद्धि करेंगे।'

विदित हो कि 17 जनवरी 2019 को रेलवे बोर्ड ने सभी क्षेत्रों के अपने महाप्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि आपूर्ति के लिए लिनन आइटम (दो बेड शीट्स, तकिया कवर और फेस टॉवल) केवीआईसी से खरीदे जा सकते हैं। जिसे केवीआईसी के परामर्श से संबंधित जोनल रेलवे द्वारा तय किया जा सकता है। 'यह आपूर्ति आदेश केवीआईसी और फिर एसोसिएशन ऑफ कॉर्पोरेशन और एपेक्स सोसायटीज़ ऑफ हैंडलूम (एसीएएचएस) को दिया गया था। इससे पहले,

16 जनवरी, 2019 को, रेल मंत्रालय ने वाराणसी और रायबरेली रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को खानपान की वस्तुओं की सेवा के लिए स्थानीय रूप से उत्पादित, पर्यावरण-अनुकूल कुम्हारी उत्पादों जैसे कुल्हड़, गिलास और प्लेटों का उपयोग करने का निर्णय लिया था।

दूसरी ओर, 25 करोड़ रुपये के लिनन और बेड-रोल का ऑर्डर पहले से ही पाइपलाइन में हैं और 31 मार्च 2019 तक अंतिम रूप देने की उम्मीद है।

इग्नू से मिला आयोग को आपूर्ति ऑर्डर

नई दिल्ली: यह खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लिए खुशी की खबर है! विभिन्न मंत्रालयों, सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों के पश्चात, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (इग्नू) से अंगवस्त्रम के साथ खादी सिल्क के विभिन्न किस्मों के वस्त्र परिधानों का नया आपूर्ति ऑर्डर प्राप्त किया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि इग्नू के आगामी दीक्षांत समारोह के दौरान इस्तेमाल किए जाने के उद्देश्य से यह ऑर्डर एक व्यापक संदेश देता है और यह आपूर्ति ऑर्डर अन्य शैक्षणिक संस्थानों को भी संदेश दे सकता है क्योंकि खादी में एक अद्वितीय भारतीयता है। इस ऑर्डर में रॉयल नीला रोब के साथ अंगवस्त्रम, नारंगी के साथ अंगवस्त्रम शामिल हैं और गहरा पीले / हल्का पीला / गहरे नीले रंग की बॉर्डर और खादी सिल्क के क्रीम कलर बेस के साथ अंगवस्त्रम के साथ मरून रोब शामिल है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि लंबे अवधि में, अंगवस्त्रम के साथ रॉब –जो हमारे कारीगरों के सुनहरे हाथों से बनाया गया है- यह सभी प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों के दीक्षांत समारोह के लिए एक अनूठा मॉडल होगा।

बता दें कि इग्नू के इस ऑर्डर की कीमत 11.21 लाख रुपये से अधिक है तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग को 200 से अधिक खादी सिल्क के वस्त्र साथ में अंगवस्त्रों की आपूर्ति करने के लिए कहा गया है।

कोट्टायम में खादी और ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी आयोजित

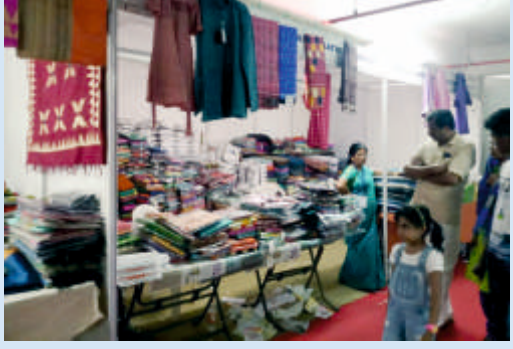

केरल के कोट्टायम में स्पोर्ट्स काउंसिल के इंडोर स्टेडियम में 2 से 14 मार्च, 2019 तक एक विशेष खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की गयी, जहां जैविक और दस्तकारी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गयी।

खादी एक्सपो 2K19 कोट्टायम, केरल में आयोजित खादी फैशन शो

राष्ट्रीय खादी व्यापार सम्मेलन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने राष्ट्रीय खादी व्यापार सम्मेलन (नेशनल खादी बिज़नेस कांन्क्लेव) के नाम से अपनी तरह का पहला क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित किया। यह सम्मेलन खादी के सभी हितधारकों को अपने अनुभव शेयर करने के साथ-साथ क्रेता विक्रेता के साथ विचार–विमर्श करने का एक उचित मंच था।

अन्य खरीदार विक्रेता से मिलने वाली चुनौतियों को कम करने के लिए, इसे दिलचस्प सत्रों के साथ जोड़ा गया जिसने खरीदारों के हित के लिए उद्योग में अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके। इसका उद्देश्य खादी संस्थाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और भावी खरीदारों के साथ संबंध बनाने का अवसर प्रदान करना है ताकि उनकी बिक्री में वृद्धि की जा सके। यह आयोजन खरीदारों के लिए एक छत के नीचे विभिन्न प्रकार की प्रमाणिक खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के संबंध में अनुभव और नमूना लेने के लिए फायदेमंद था और जिसमें सीधे तौर पर आपूर्तिकर्ताओं के साथ सौदा किया जा सके।

यह आयोजन बाजार (कॉर्पोरेट खरीदारों) का परीक्षण करने के लिए किया गया एक अनोखा कार्यक्रम था, जिसे भविष्य में विभिन्न शहरों में इसे दोहराया जाएगा। इस सम्मेलन से सभी हितधारकों को काफी अनुभव मिले।

नॉलेज सत्र में फैशन डिज़ाइनर श्री सौमित्र मोंडल ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए फैशन उद्योग में खादी की उपयोगिता बारे में जानकारी दी। आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विपणन श्री आई. जवाहर ने खादी क्षेत्र में मार्केटिंग इंटरवेंशन और नई पहल पर बात की। पश्चिम बंगाल खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मृत्युंजय बंदोपाध्याय ने क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के महत्व के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि खादी उद्योग आगामी वर्षों में कैसे विकसित होगा और कैसे विकसित हो रहा है।

बिहार, उड़ीसा, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से लगभग 23 खादी संस्थाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा विभिन्न प्रोफाइल से लगभग 30-35 लोगों भाग लिया जिनमें खरीददार, निर्यातक, निर्माता, रिटेलर, फैशन डिजाइनर आदि शामिल थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रमः

जम्मू और कश्मीर के जिला बांदीपोरा में अलोसा और एशटैंगो में कंप्यूटर प्रशिक्षण और टीला कढ़ाई (जरी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

आयोग के राज्य कार्यालय, जम्मू-कश्मीर ने राज्य के पारंपरिक कुम्हारों को सशक्त बनाने के लिए अपने मिशन को जारी रखा, ग्राम खारा मैरियन जिला सांबा में 30 कुम्हारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाकों पर प्रशिक्षण दिया गया।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान आयोग के राज्य निदेशक श्री डी.एस. भाटी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला सांबा में कुम्हारों को कुम्हारी प्रशिक्षण

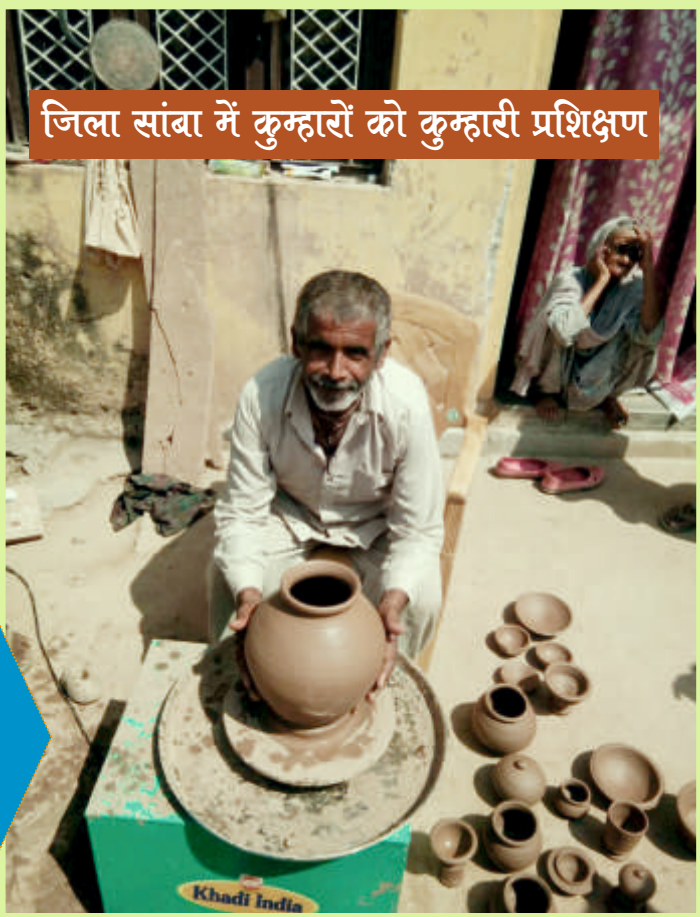

कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित

आयोग के 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के तहत 10 मार्च 2019 को 10 दिनों के कौशल उन्नयन प्रशिक्षण के पूरा होने के बाद सिद्धबरी, जमुरिया और दिशर्गह -3 गाँवों के प्रशिक्षित कुम्हारों के बीच 3 ब्लुंगर और 3 पगमिल मशीनों सहित लगभग 60 विद्युत चालित कुम्हारी चाकों का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रशिक्षित कुम्हारों के साथ-साथ आयोग के राज्य निदेशक, कोलकाता श्री एस.पी. गुप्ता और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कुम्हारों की आजीविका में वृद्धि करते हुए, केवीआईसी ने नबरंगपुर, ओडिशा में कुम्हारी कार्य में 10 दिवसीय कौशल उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन किया।

आयोग के 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के तहत बीकानेर जिले के ग्राम-अम्बासर में विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये गये।

आयोग ने कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत बड़हलगंज, गोरखपुर में कुम्हारों को 40 विद्युत चालित कुम्हारी चाकों सहित अन्य उपकरण वितरित किए गये।

आयोग, अपनी कुम्हार सशक्तिकरण योजना के माध्यम से देश में कुम्हारों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

आयोग के मंडलीय कार्यालय, बीकानेर ने कुम्हार सशक्तिकरण मिशन" के तहत विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये।

इस योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर, कुल्लू और मंडी जिले में कुम्हारों को 60 विद्युत चालित कुम्हारी चाक सहित अन्य उपकरण वितरित किए गये।

आयोग ने हिमाचल के सुदूर गांवों में 400 से अधिक नौकरियां सृजित की

नई दिल्ली: कुम्हार बहुल हसोल गांव के 38 वर्षीय राजेश कुमार के लिए यह सपना सच हो रहा था, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में इस निष्क्रिय इलाके में रहने वाले अन्य निवासियों की तरह –जो पूरी तरह से कुम्हारी कार्य पर निर्भर हैं - वह भी अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे थे, क्योंकि कठोर परिश्रम के बावजूद वे अपने परिवार के नौ सदस्यों से मिलकर भी अपने परिवार का जीवनयापन करने में असमर्थ थे। कुम्हारी कार्य में शामिल छह लोगों के साथ, वह अपने कुल परिवार की वार्षिक आय को 36,000 रुपये से ज्यादा नहीं बढ़ा सकते थे, यानी प्रति व्यक्ति प्रति दिन 20 रुपये से कम। लेकिन, आयोग की 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के तहत विद्युत चालित कुम्हारी चाकों, पग-मिल्स और ब्लुंगर्स के वितरण के बाद - राजेश और अन्य संघर्षरत हसोल ग्रामीणों के लिए - उदास दिन अब खत्म हो गए हैं!

इस वर्ष की शुरुआत में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने हिमाचल प्रदेश के गाँव के कुम्हारों की दुर्दशा के बारे में विस्तृत अध्ययन किया और फिर कुम्हारों की बहुतायत के साथ कुम्हारों की आय बढ़ाने के लिए एक फुल-प्रूफ योजना बनाई। आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बताया कि हसोल (कांगड़ा जिला) के 40 और टिक्कर (जिला बिलासपुर), धुरखड़ी (जिला मंडी) और सुंदरनगर (जिला मंडी) के 40 कुम्हारों को पहली बार विद्युत चालित कुम्हारी चाक के विभिन्न चरणों में प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने कहा, इसके बाद, हमने उन्हें विद्युत चालित कुम्हारी चाक प्रदान किए, जो उनकी वार्षिक आय को 3-4 गुना बढ़ाएंगे ही नहीं, बल्कि उन्हें कठोर शारीरिक श्रम के बुरे परिणामों से भी बचाएंगे - जो पहले पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों को बनाने में आवश्यक था।

इन गांवों के हालिया सर्वेक्षण में, इन ग्रामीणों के जीवन स्तर में यह बदलाव देखा गया। हसोल गाँव के रमेश ने कहा, 'न केवल सुरक्षा की स्पष्ट भावना हमारे चेहरे से झलक रही है, यहां तक कि हमारे बच्चों ने भी शाम के समय में मिट्टी से खेलना शुरू कर दिया है। साँप-और-सीढ़ी और अन्य इनडोर और आउटडोर गेम खेलने के अलावा, उन्होंने अपने समय में टेराकोटा-मेकिंग को एक नया खेल बनाया है।'

यह बता दें कि केवीआईसी ने अब तक लेह-लद्दाख क्षेत्रों से लेकर असम के सूदूर क्षेत्रों तक पूरे देश में 10,000 से अधिक इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स वितरित किए हैं - उन्हें उचित प्रशिक्षण प्रदान करने के बाद - जिसने 45,000 से अधिक कुम्हारों के लिए रोजगार पैदा किया है। चूंकि इन इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स के वितरण से कुल्हड़ और गिलास जैसे अन्य टेराकोटा उत्पादों का उत्पादन बढ़ेगा; और जिससे उन्हें विपणन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके लिए केवीआईसी इन कुम्हारों के लिए बड़ा मार्केटिंग कैनवस प्रदान करने की भी तलाश कर रहा है। ▣▣

पीएमईजीपी के तहत अभिसंस्करण और प्रशिक्षण कार्यक्रम

पीएमईजीपी के तहत अभिसंस्करण और प्रशिक्षण कार्यक्रम 26.03.2019 को हॉटल राजहंस, मेरठ में आयोजित किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तर क्षेत्र उपस्थित थे, उन्होंने डीआईसी, केवीआईसी, बैंकरों को 31.03.2019 से पहले स्वीकृति मामलों का भुगतान करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आये खादी बोर्ड, डीआईसी, एलडीएम, बैंकर्स पदाधिकारियों और नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को द्वितीय ऋण से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई तथा बैंकरों, डीआईसी, और खादी बोर्ड के पदाधिकारियों से पीएमईजीपी / मुद्रा ऋण के तहत स्थापित अच्छी इकाइयों का विवरण प्रदान करने का अनुरोध किया गया।

आयोग के उप निदेशक प्रभारी, मेरठ श्री ए. के. गर्ग द्वारा 2018-19 के लिए पीएमईजीपी इकाइयों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। ▣▣

पीएमईजीपी के तहत बैंकर्स बैठक

आयोग के राज्य कायार्लय, शिमला द्वारा हिमलैंड होटल, शिमला में पीएमईजीपी के तहत बैंकर्स बैठक आयोजित की गयी, जिसमें पीएमईजीपी योजना सहित द्वितीय वित्तीय सत्र पर विस्तार से चर्चा की गई।

हनी मिशन के तहत बी-बॉक्सेस तथा टूल किटों का वितरण

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून परिसर में 19 मार्च 2019 को, देहरादून जिले के सामान्य वर्ग के 12 उम्मीदवारों को 120 मधुमक्खी के बक्से और 12 टूल किट वितरित किए गए।

आयोग के मंडलीय कार्यालय, गोरखपुर द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, बहराइच में 250 बी बॉक्सेस तथा टूल किटों का वितरण किया गया।

आयोग के मंडलीय कार्यालय, बीकानेर द्वारा श्री अग्रसेन भवन, रावतसर में हनी मिशन के तहत मधुमक्खीपालक बैठक आयोजित की गयी।

एमबीई तहत 10 दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

आयोग के रसायन आधारित उद्योग के तहत 10 दिनों का क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम कन्याकुमारी जिले में 21.02.19 से 02.03.19 तक अवधि के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 180 कुम्हार लाभार्थियों ने भाग लिया और उन्हें विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये गये। इस कार्यक्रम का आयोजन आयोग के मण्डलीय कार्यालय, मदुरै द्वारा किया गया था।

जयपुर में हिंदी कार्यशाला

आयोग के राज्य कार्यालय, जयपुर में ई-ऑफिस की कार्यप्रणाली विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के सफलता की कहानी

फर्नीचर बाज़ार में एक पहचान दिलाता मेरा नक्काशी कार्य

श्रीमती प्रीतिबेन प्रकाशभाई व्यास जिन्होंने पोस्ट अंडरेल, तालुका डस्करोई जिला अहमदाबाद में विनिर्माण मॉड्यूलर फर्नीचर इकाई-मेसर्स हिंदुस्तान मॉड्यूलर उत्पाद नाम से अपना व्यवसाय स्थापित किया है जो इस बात का सबूत है कि उनके सपने सच हो रहे हैं, इसे बयां करने के लिए पूरी तरह से एक अलग कहानी है।

हाउस वाइफ प्रीति अपने खाली समय का सदुपयोग करना चाहती थी। 2009 में उन्होंने अपने पति के सहयोग से इस व्यवसाय में कदम रखा। चूँकि उसकी यह व्यक्तिगत रुचि थी। इस प्रकार, बैंक की सलाह पर और एक पारिवारिक मित्र के सिफारिश से उन्होंने अहमदाबाद में इंडियन ओवरसीज बैंक से प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 10.00 लाख रुपये का ऋण लिया। शुरुआत में उन्होंने घर का फर्नीचर बनाना शुरू किया और बाद में कॉर्पोरेट और लैमिनेटेड फर्नीचर बनाने की शुरूआत की। कुछ ही समय पश्चात उन्होंने पश्चात्य घर शैली के फर्नीचर के डिजाइन निर्माण और बिक्री शुरू कर दी। कड़ी मेहनत से प्रीति का फर्नीचर व्यवसाय गुजरात में ही आज केवल 3.00 करोड़ रुपये का कारोबार कर रहा है। आत्मविश्वास और गर्व के साथ प्रीति कहती हैं कि वह अपनी कार्यशाला में लगभग 22 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर रही हैं।

उसके बेहतर गुणवत्ता वाले फर्नीचर का बाजार में कोई मुकाबला नहीं है। वह अपनी कार्यशाला में नई अवधारणाओं और नवीनतम जर्मन प्रौद्योगिकी मशीनों का उपयोग करती हैं। प्रीती बताती हैं कि अहमदाबाद में घरेलू स्तर पर रंगीन फर्नीचर बनाने वाली कुछ मुट्ठी भर कंपनियां हैं। हम उन पर अपनी नज़र रखते हैं कि वे क्या करते हैं, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे क्या नहीं करते हैं। मुझे लगता है कि अपनी प्रतिस्पर्धा की कमजोरियों को पहचानना और उन्हें अपनी ताकत बनाना महत्वपूर्ण है। ■■

भारत और इंडोनेशिया के राजनयिक संबंधों के 70 साल पर बाटिक और खादी फैशन शो का आयोजन

अब कुम्भकार भी होंगे हाईटैक : मोटर चलित चाक से तैयार करेंगे मिट्टी के बर्तन

रावतसर, 9 मार्च (स.ह): अक्सर आप कुम्हार को डंडे से चाक घुमाकर बर्तन बनाते देखते होंगा, लेकिन हाथ से चलने वाला यह चाक अब बीते दिनों की बात हो जाएगा। दूसरी कई जगहों की तरह अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुम्हारों को इलेक्ट्रॉनिक चाक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही उन्हें ऐसे चाक वितरित किए जा रहें है।

इलैक्ट्रॉनिक चाक का प्रशिक्षण लेते कुंभकार। (स.ह.)

जानकारी के अनुसार खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के तत्वावधान में रावतसर के निकटवर्ती चक भांखरावाला में 10 दिवसीय कुम्हार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हो रहा है, जिसमें रावतसर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के अभी 20 कुम्हार प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

वहीं इलैक्ट्रॉनिक चाक के संबंध में जानकारी देते हुए आयोग निदेशक बद्री लाल मीणा ने बताया कि सरकार व आयोग की मंशा है कि वक्त बदलने के साथ कुम्भकार भी अपने पेशे में नवाचार लाते हुए तकनीक का लाभ उठाते हुए अपना उत्पादन बढ़ाए।

दैनिक हिंदमाता मिरर www.hindmatamirror.in

खादी, ग्रामोद्योग आयोग में उत्साह पूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

मुंबई: खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपने केंद्रीय कार्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही गर्मजोशी और उत्साह के साथ मनाया। मुंबई की अध्यक्ष उषा ठक्कर, एवं महाराष्ट्र उच्च न्यायालय की अधिवक्ता श्वेता आर अग्रवाल को इस कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उषा ठक्कर ने महिलाओं के अधिकारों और स्वतंत्रता पर गांधीजी के विचार एवं इसकी प्रासंगिकता को बताया। श्वेता आर. अग्रवाल ने विवाह, गुजारा भत्ता, घरेलू हिंसा आदि पर महिलाओं के अधिकारों व हितों के लिए बनाए गए कानूनों पर अपने विचार व्यक्त किए। मुंबई और पुणे की महिलाओं ने भी खादी, ग्रामोद्योग आयोग के परिसर में आयोजित एक छोटी प्रदर्शनी में अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

अन्य देशों के लोग खादी को पसंद कर रहे हैं, हमें भी खादी को अपनाना चाहिए : प्रधान

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय खादी प्रदर्शनी

जैसलमेर : समापन समारोह के दौरान उपस्थित लोग।

जैसलमेर, जिला स्तरीय खादी प्रदर्शनी में संचालक अतिथि।

'नवाचारों से खादी का बढ़ेगा उत्पादन, बढ़ेगी बिक्री'

जैसलमेर. खादी व ग्रामोद्योग आयोग दिल्ली के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसएन शुक्ला ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में किसी समय रोजगार का प्रमुख स्रोत खादी रहा है। वर्तमान समय की मांग को देखते हुए खादी में नवाचार लाकर खादी के उत्पादन व बिक्री में बढ़ोतरी की जा सकती है।

शनिवार को जैसलमेर प्रवास पर आए शुक्ला खादी और ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर की ओर से जैसलमेर में आयोजित अभिविन्यास वर्कशॉप को मुख्य अतिथि के तौर पर यह बात कही। पीएमईजीपी कार्यक्रम के तहत आयोजित ओरियंटेशन ट्रेनिंग वर्कशॉप की अध्यक्षता आयोग के बीकानेर संभागीय निदेशक बद्रीलाल मीणा ने की। उन्होंने खादी संस्थाओं को सुदृढ़ बनने के लिए आयोग की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

इस दौरान उन्होंने बैंक अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं में प्राप्त होने वाले आवेदनों के संबंध में चर्चा की एवं उन आवेदनों में व्यवहारिक तौर पर आने वाली रुकावटों व खामियों के बारे में जानकारी ली। मंच का संचालन डॉ. डीपी सिंह ने किया।

तुनाही में मिट्टी के बर्तन बनाने की सिखाई कला

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के सौजन्य से लगाया था शिविर

सुंदरनगर, 17 मार्च (अंसारी): सुंदरनगर की बी.एम.बी. कालोनी स्थित तुनाही में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के सौजन्य से प्रायोजित कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 20 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। आयोग की प्रशिक्षक उमा देवी ने कहा कि प्रशिक्षुओं को विभिन्न रूप से स्वरोजगार कार्यक्रम के साथ जोड़ने के लिए यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ के मुख्य महासचिव चमन लाल वर्मा ने कहा कि प्रजापति समाज के सदस्यों को मिट्टी के बर्तन बनाने की कला के बारे में और स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इस अवसर पर प्रजापति कुंभकार महासंघ के सदस्य और स्थानीय प्रजापति समाज के सदस्यों ने भाग लिया।

सुंदरनगर : सुंदरनगर के तुनाही में मिट्टी के बर्तन बनाने की कला सीखते प्रजापति समाज के सदस्य। (अंसारी)

नवाचारों से मिलेगा खादी को बढ़ावा: शुक्ला

जैसलमेर (निसं)। खादी व ग्रामोद्योग आयोग दिल्ली के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसएन शुक्ला ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में किसी समय जीविका का प्रमुख स्रोत खादी रहा है। वर्तमान समय की मांग को देखते हुए खादी में नवाचार लाकर खादी के उत्पादन व बिक्री में बढ़ोतरी की जा सकती है। [illegible]

बलद्वाड़ा में कुंभकारों को आधुनिक उपकरणों की दी जानकारी

निजी संवाददाता — सरकाघाट

खादी ग्रामोद्योग द्वारा प्रायोजित कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत हिमाचल माटी कला केंद्र कुल्लू के अध्यक्ष डा. केके वर्मा की अध्यक्षता में दस दिन का प्रशिक्षण शिविर गांव धुरखड़ी बलद्वाड़ा में आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में दस्तकारी को बढ़ावा देने के लिए पेशावर कुंभकारों को आधुनिक उपकरणों सहित विद्युत से चलती चाक पर मिट्टी से बरतन बनाने की कला सिखाई गई। इस दौरान 20 कामगारों को बिजली से चलने वाले चाक भी वितरित किए। अखिल भारतीय प्रजापति महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष हरिदास प्रजापति ने देते हुए बताया कि जो पेशावर लोग जो इस पेशे को करना चाहते हैं और किसी कारण अछूते रह गए हैं वे भी इस पेशे को आगे बढ़ाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। बता दें कि बलद्वाड़ा की आवाज के अध्यक्ष कैप्टन जगदीश चंद ने कुंभकारों की समस्याओं व पेशे को जीवित रखने के लिए सरकार को पत्र लिखा था और इस मामले को 'दिव्य हिमाचल' ने प्रमुखता से उठाया था और खबर का असर धरातल पर देखने मिला। उधर, बलद्वाड़ा की आवाज के अध्यक्ष ने सरकार से पहले भी मांग की थी कि इन कुंभकारों को मिट्टी नहीं मिल रही है और दूर से लाना पड़ती उसके लिए सरकार कोई कारगर कदम उठाए, ताकि कुंभकारों के पेशे को भी बचाया जा सके और लोगों को मिट्टी के बरतन भी मिल सकें।

अम्बिकावाणी

छोटी खबरें

हनी मिशन के अंतर्गत मौन गृह, मौन वंश एवं टूल कीट वितरण समारोह

[illegible]

शार्ट सर्किट से लगी आग हजारों का सामान जला

[illegible]

दैनिक भास्कर

प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम जागरूकता शिविर का आयोजन

रैवासा। अन्नपूर्णा सिद्ध आश्रम पिपराली रोड रघुनाथगढ़ मोड में खादी और ग्रामोद्योग आयोग सीकर की तरफ से जिला स्तरीय प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खादी ग्रामोद्योग डिविजन बीकानेर के डायरेक्टर बद्रीनारायण मीना, डॉ. डीपी सिंह व अमरचंददास महाराज ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण लोगों को खादी ग्रामोद्योग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत कोई भी व्यक्ति रोज़गार आदि कोई कार्य शुरू करना चाहता है तो उसे कार्य का प्रपोजल बनाकर एप्लीकेशन के साथ आवेदन जमा करवा सकता है। इसमें 25 लाख रुपए तक के प्रोजेक्ट्स इसके तहत स्वीकृत किए जा सकते है। इस अवसर पर लक्ष्मी देवी, महेश चिराणा, रामसिंह पिपराली, बिजू सिंह निर्वाण, कृष्णा शर्मा,अनिल रघुनाथगढ़, रमेश चिराणा आदि लोग उपस्थित थे।

नवलगढ़. प्रशिक्षण के समापन के बाद कुंभकारों को बांटे इलेक्ट्रॉनिक चॉक।

10 दिन के प्रशिक्षण के बाद 160 कुंभकारों को बांटे इलेक्ट्रॉनिक चॉक

भास्कर न्यूज़ | नवलगढ़

कोलसिया के कमल निष्ठा संस्थान में रविवार को कुंभकारों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस मौके पर भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के मंडल कार्यालय द्वारा 160 कुंभकारों को इलेक्ट्रानिक चॉक बांटे गए। इन कुंभकारों को इसे चलाने के लिए 10 दिन का प्रशिक्षण दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मंडल निदेशक बद्रीलाल मीना थे। बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर महेन्द्र सिंह कविया व कुल्डाराम दूत, शिव भगवान व रामनिवास कुमावत विशिष्ट अतिथि थे। अध्यक्षता अमृत माटी इंडिया के चेयरमैन अंजनी किरोड़ीवाल ने की। बद्रीलाल मीना ने कहा कि विभाग ने भारतीय रेलवे के साथ कुल्हड़ सप्लाई का समझौता किया है, इनकी पूर्ति के लिए कुल्हड़ बनाने का काम इस कुंभकारों को दिया जाएगा। कमल निष्ठा संस्थान के सचिव डॉ. डीपी सिंह ने आगंतुकों का स्वागत किया। मास्टर प्रशिक्षक विनोद कुमावत ने आभार जताया। संचालन सुरेश कुमावत ने किया। इस मौके पर पूर्णमल घोड़ेला, मुखराम कुमावत, प्रेमचन्द्र दूत, महावीर कुमावत आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का

पुलिस ने शराबी चालक

विद्युत चाक मशीन का नि: शुल्क वितरण

[illegible]

विद्युत चाक मशीन निःशुल्क वितरित

कुम्हारी सशक्तीकरण योजना का आगाज

न्यूज सर्विस नवलगढ़ी, नवलगढ़

गांधी जी के सपनों में ग्रामोद्योग की समृद्धि का भाव हमारे प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक बार फिर परवान पर है। हर हाथ को हुनर, घर-घर कौशल के भाव को असलीजामा पहनाने के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार के बीकानेर स्थित मंडलीय कार्यालय द्वारा स्थानीय कमलनिष्ठा संस्थान कोलसिया के प्रांगण में 160 लोगों को चाक मशीन निःशुल्क वितरित की गई है।

भारत सरकार की कुम्हारी सशक्तिकरण योजनान्तर्गत कुम्हारी कार्य करने वाले कारीगरों का चयन कर 10 दिन का इस नई तकनीक के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा मिट्टी की प्रतिदिन उपयोग में आने वाली तथा घर की साज-सज्जा के लिए मनमोहक वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि मंडलीय निदेशक बद्रीलाल मीना थे। विशिष्ट अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर महेन्द्र सिंह कविया व सरपंच पति [illegible] भगवान भारद्वाज, रामनिवास कुमावत थे।

प्रशिक्षण में मिट्टी के कई आइटम किए तैयार: मुख्य अतिथि बद्रीलाल मीना ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्रामजनों को आर्थिक संबलन प्रदान करने के लिए खादी ग्रामोद्योग निरन्तर तत्पर है तथा लगातार प्रयास कर रहा है। इस क्रम में इन पंडालों को प्रशिक्षण दिया गया है। निःशुल्क चाक मशीन दी जा रही है तथा भारतीय रेलवे के साथ कुल्हड़ सप्लाई का समझौता किया है, जिसकी पूर्ति के लिए ही कार्य भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मास्टर प्रशिक्षक विनोद कुमावत ने बताया कि एक माह की चाक से इस कार्यक्रम में लोगों ने अनेक हुनर सीखे तथा विशाल स्तर पर मिट्टी के विभिन्न आइटम तैयार करते हैं। कार्यक्रम में झुंझुनूं एवं सीकर जिले के काफी गांवों से बड़ी संख्या में आए मिट्टी कारीगरों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। मंच संचालन सुरेश कुमावत ने किया। इस मौके पर पर्यवेक्षक मोहन, मुख्तार कुमावत, शिम्भुलाल दूत, प्रेमचन्द दूत, लादूराम कुमावत, सुगनसिंह, बनाराम, रामेश्वर, जगदीश जाखड़, सुरेन्द्र कुमावत, किशन कुमावत, सतीराम, रविन्द्र कुमावत, कालराम, ताराचन्द कुमावत आदि मौजूद थे।

160 कुंभकारों को बांटे इलेक्ट्रॉनिक चाक

नवलगढ़. कोलसिया में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार के बीकानेर स्थित मंडलीय कार्यालय द्वारा स्थानीय कमलनिष्ठा संस्थान कोलसिया के प्रांगण में 160 लोगों को चाक मशीन निःशुल्क वितरित की गयी है। भारत सरकार की कुम्हारी सशक्तिकरण योजनान्तर्गत कुम्हारी कार्य करने वाले कारीगरों का चयन कर 10 दिन का इस नयी तकनीक के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा मिट्टी की प्रतिदिन उपयोग में आने वाली तथा घर की साज-सज्जा के लिए मनमोहक वस्तुएँ बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि मंडीलय निदेशक बद्रीलाल मीना थे। वशि...

गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें

...योजना का प्रारंभ 15 फरवरी को किया गया है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जागरूकता शिविर का आयोजन

रैवासा। अन्नपूर्णा सिद्ध आश्रम पिपराली रोड रघुनाथगढ़ मोड़ में खादी और ग्रामोद्योग आयोग सीकर की तरफ से जिला स्तरीय प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खादी ग्रामोद्योग डिविजन बीकानेर के डायरेक्टर बद्रीनारायण मीना, डॉ. डीपी सिंह व अमरचंददास महाराज ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण लोगों को खादी ग्रामोद्योग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत कोई भी व्यक्ति रोजगार आदि कोई कार्य शुरू करना चाहता है तो उसे कार्य का प्रोजेक्ट बनाकर एप्लीकेशन के साथ आवेदन जमा करवा सकता है। इसमें 25 लाख रुपए तक के प्रोजेक्ट्स इसके तहत स्वीकृत किए जा सकते है। इस अवसर पर लक्ष्मी देवी, महेश चिराणा, रामसिंह पिपराली, बिजू सिंह ...र्माण, कृष्णा शर्मा, अनिल रघुनाथगढ़, रमेश चिराणा आदि लोग उपस्थित थे।

...तदाता सत्यापन के तहत...

...Anaesthesiologist while patient under going various types of operations.

KVIC celebrates International Women's Day with warmth & zeal

Today on 8th March 2019 Khadi and Village Industries Commission celebrated International Women's Day in its Central Office premises with great warmth and zeal. Ms Usha Thakkar, President, Mani Bhavan and Ms. Shweta R. Agrawal, Advocate High Court were the guest speakers during the occasion. Ms Thakkar in her address expressed her views on influence of Gandhiji's teachings on women's rights and freedom. Shweta R. Agrawal expressed her views on law and acts of women in marriage like alimony, domestic violence etc. Women from Mumbai and Pune also showcased their products in a small exhibition arranged at KVIC Mumbai.

पर्यावरणानुकुल मनमोहक खादी डिजाइनर परिधान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

Khadi India

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"